an>

Title: Need to give compensation to the victims of Indian citizens in cross-border firing.

श्री जुगल किशोर (जम्मू) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे अपने क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषय को उठाने का मौका दिया है, उसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपनी पार्लियामेंटरी कांस्टीट्वेंसी, जम्मू-पुंछ की ओर दिलाना चाहता हूं। जब से सर्जिकल स्ट्राइक हुई है, तब से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। बौखलाया हुआ पाकिस्तान निहत्थे लोगों पर अत्याचार कर रहा है। हम देखते हैं कि आए दिन पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली फायरिंग का भरपूर जवाब हमारे सैनिक देते हैं, लेकिन पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली फायरिंग से हमारा जो नुकसान होता है, उसमें हमारे लोग मारे जाते हैं और पशुओं का भी नुकसान होता है। जब मकानों पर गोले गिरते हैं तो मकान भी गिर जाते हैं, उनका नुकसान होता है। इसके साथ ही फसल भी तबाह हो जाती है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि सरकार ने पिछले दिनों में बहुत अच्छे कदम उठाए हैं, लेकिन जो पशु फायरिंग में मारे जाते हैं, वे दुधारू पशु होते हैं, उनकी कीमत 80 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक होती है। पशुओं के मारे जाने पर उसका मुआवजा कोई सरकार नहीं देती है। जब मकान पर गोला गिरता है तो उस मकान के लिए भी मुआवजा नहीं दिया जाता है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि उन देशभक्त लोगों का क्या कसूर है, वे बॉर्डर पर खड़े हैं, निहत्थे लोग हैं। वे बॉर्डर पर उनका मुकाबला भी कर रहे हैं। मैं मांग करता हूं कि पशुओं के मारे जाने पर मुआवजा दिया जाना चाहिए और अगर किसी के मकान का नुकसान होता है, तो उसे भी मुआवजा मिलना चाहिए। घर-घर और मुहल्ले-मुहल्ले में बंकर बनाए जाने चाहिए ताकि उनको जल्द राहत देने के लिए बंकर मिल सकें। उनको पांच मारले का प्लॉट एवं मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाकर दी जानी चाहिए, ताकि लोगों का मनोबल बना रहे।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री आलोक संजर,

श्री नागेन्द्र सिंह,

श्री निशिकान्त दुबे,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल एवं

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जुगल किशोर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।